DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 20 फरवरी 2024 ED

DDA के सुपर लग्ज़री फ्लैट्स दिल्लीवालों ने हाथों-हाथ लिए

दूसरे फेज़ में ही सुपर एचआईजी के सभी फ्लैट्स बिक चुके

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

डीडीए के सुपर लग्जरी फ्लैट्स को लोगों ने हाथोंहाथ लिया है। दूसरे फेज में भी सुपर एमआईजी के सभी फ्लैट्स बिक गए। वहीं, पेंटहाउस भी लोगों को काफी पसंद आए हैं। 14 में से 12 पेंटहाउस दूसरे फेज की स्कीम में बिक चुके हैं। अब सुपर लग्जरी फ्लैट्स में दो पेंटहाउस के अलावा कुछ एचआईजी और एमआईजी फ्लैट्स ही बचे हैं। इन्हें बेचने के लिए डीडीए ने स्पेशल हाउसिंग स्कीम का तीसरा फेज लॉन्च कर दिया है।

डीडीए के मुताबिक लग्जरी फ्लैट्स को मिले रिस्पांस से डीडीए काफी उत्साहित है। कई सालों बाद डीडीए की किसी स्कीम को इतना अच्छा रिस्पांस मिला है। इन्हें बेचने के लिए डीडीए ने पहली बार ई-ऑक्शन किया था। बचे हुए फ्लैट्स बेचने के लिए डीडीए सोमवार से दिवाली स्पेशल हाउसिंग स्कीम (ई-ऑक्शन) का तीसरा फेज लॉन्च कर रहा है। एमआईजी फ्लैट्स को डीडीए अप्रैल 2024 और एचआईजी, सुपर एचआईजी और पेंटहाउस को जून 2024 तक हैंडओवर कर देगा। तीसरे फेज में बचे हुए 257 फ्लैट्स को शामिल किया गया है।

द्वारका सेक्टर-19बी के फ्लैट्स अपने खास गोल्फ व्यू के

AI Image

करीब होने की वजह से भी काफी लोकप्रिय रहे हैं। इतना ही नहीं, पेंटहाउस और सुपर एमआईजी के साथ दो-दो पार्किंग और एचआईजी और एमआईजी के साथ एक कार पार्किंग दी जा रही है। डीडीए के अनुसार ई-ऑक्शन में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन और ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट) की प्रक्रिया 19 फरवरी को सुबह 11 बजे से शुरू होगी। इसकी अंतिम तिथि 28 फरवरी शाम छह बजे तक है। 5 मार्च को ई-ऑक्शन होगा। एमआईजी के लिए ईएमडी दस लाख, एचआईजी के लिए 15 लाख और पेंटहाउस के लिए 25 लाख रुपये है।

महज दो ही पेंटहाउस भी बचे हैं, बचे लग्जरी फ्लैट्स के लिए तीसरा फेज भी लॉन्च

कितने फ्लैट्स आए हैं फेज़-3 में

पेंटहाउस(द्वारका सेक्टर-19बी)	2
एचआईजी(द्वारका सेक्टर-19बी)	123
एमआईजी (द्वारका सेक्टर-14)	132

कितने फ्लैट्स बिके

पेंटहाउस द्वारका सेक्टर-19बी	12
सुपर एचआईजी द्वारका सेक्टर-19बी	170
एचआईजी द्वारका सेक्टर-19बी	823
एमआईजी द्वारका सेक्टर-14बी	284
लोकनायकपुरम एमआईजी	647

केरल और गोवा की तरह दिल्ली बनाएगी अपना बर्ड एटलस

■ विस, नई दिल्ली : केरल और गोवा की तरह अब दिल्ली का भी अपना बर्ड एटलस होगा। इसके लिए वन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। वन विभाग के अनुसार फरवरी के अंत में वन विभाग डीडीए के साथ मिलकर बर्ड सेंसस की तैयारी कर रहा है। यह सेंसस हर तीन महीने में होगा। इससे एक बर्ड एटलस बनकर तैयार होगा। जिससे पता चलेगा कि राजधानी के किस हिस्से में किस महीने कौन से पक्षी दिखते हैं। बर्ड एटलस को तैयार करने में करीब एक साल का समय लगेगा। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बर्ड एटलस से मदद मिलेगी कि राज्य में पक्षियों की संख्या व डायवर्सिटी कैसे बदलती है।

वन विभाग डीडीए के साथ मिलकर कर रहा तैयारी

इससे बर्ड के प्रमुख हैबिटेट को पहचानने में मदद मिलेगी और उसका एक मैप बन सकेगा। इसलिए हर सीजन में एक बार यह सेंसस होगा। यानी महीने में चार सेंसस तीन तीन महीने के अंतराल पर होगा। इसमें दिल्ली में रहने वाली पक्षियों के अलावा प्रवासी पक्षियों के हैबिटेट व आने जाने के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--- । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 20 फरवरी 2024

मेट्रो फेज़-4 अब फास्ट ट्रैक पर

CM ने दिल्ली सरकार, DMRC, केंद्र के बीच एमओयू साइन करने की मंजूरी दी

कई साल से अटका हुआ था यह एमओयू

65.2 किलोमीटर लंबा है यह कॉरिडोर

45 नए मेट्रो स्टेशंस बनेंगे इस कॉरिडोर में

वित्तीय और प्रशासनिक अड़चनें अब होंगी दूर

जनकपुरी वेस्ट से रामकृष्ण आश्रम मार्ग, एयरोसिटी से तुगलकाबाद और मजलिस पार्क से मौजपुर के बीच बन रहे तीन नए मेट्रो कॉरिडोर्स के निर्माण में आएगी तेजी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के निर्माणाधीन तीन कॉरिडोर के काम में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार, डीएमआरसी और केंद्र सरकार के बीच एमओयू साइन करने की मंजूरी दी है। इस मंजूरी के बाद जनकपुरी वेस्ट से रामकृष्ण आश्रम मार्ग, दिल्ली एयरोसिटी से तुगलकाबाद और मजलिस पार्क से मौजपुर के बीच बन रहे तीन नए मेट्रो कॉरिडोर्स के निर्माण कार्य की राह में आ रही वित्तीय और प्रशासनिक अड़चनें दूर होंगी और निर्माण कार्य में तेजी आएगी। कुल 65.20 किलोमीटर लंबे इन तीनों मेट्रो कॉरिडोर्स पर 45 नए मेट्रो स्टेशंस बनाए जाएंगे।

जहां तक फेज चार के बाकी के तीन कॉरिडोर्स का सवाल है, तो दिल्ली सरकार ने साफ किया है कि उन्हें अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। दिल्ली सरकार का कहना है कि केंद्र सरकार के पास लंबित इन तीनों कॉरिडोर के लिए भी जल्द से जल्द मंजूरी लेने का प्रयास किया जा रहा है। सीएम ने इसके लिए भी अफसरों को अलग से निर्देश दिया है, ताकि इन तीनों लंबित कॉरिडोर्स पर भी जल्द से जल्द काम शुरू हो सके। उल्लेखनीय है कि फेज-4 के तहत बनने वाले 6 मेट्रो कॉरिडोर का एमओयू कई साल से अटका हुआ था। सीएम अरविंद केजरीवाल की पहल पर अब एमओयू साइन करने का रास्ता साफ हुआ है।

इन तीन लाइनों पर जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद

कॉरिडोर
रिठाला से कुंडली
लंबाई: 26.463 किमी, स्टेशंस: 21

रिठाला, रोहिणी सेक्टर-25, रोहिणी सेक्टर-26, रोहिणी सेक्टर-31, रोहिणी सेक्टर-32, रोहिणी सेक्टर-36, बरवाला, पूंठ खुर्द, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया-1, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया-2, बवाना, बवाना जेजे कॉलोनी, सनौठ, न्यू सनौठ कॉलोनी, सनौठ डिपो, भोरगढ़ विलेज, नरेला अनाज मंडी, नरेला डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नरेला, कुंडली और नत्थूपुर।

लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक
लंबाई: 8.385 किमी, स्टेशंस: 8

लाजपत नगर, एंड्रयूज गंज, ग्रेटर कैलाश-1, चिराग दिल्ली, पुष्पा भवन, साकेत डिस्ट्रिक्ट सेंटर, पुष्प विहार, साकेत जी-ब्लॉक

इंद्रप्रस्थ से इंद्रलोक
लंबाई: 8.385 किमी, स्टेशंस: 8

इंद्रप्रस्थ, आईजीआई स्टेडियम, दिल्ली गेट, एलएनजेपी हॉस्पिटल, नई दिल्ली, नबी करीब, अजमल खां पार्क, सराय रोहिल्ला, दयाबस्ती और इंद्रलोक

एमओयू के तहत ये होंगी शर्तें

एमओयू के तहत दिल्ली सरकार प्रोजेक्ट की जमीन को बिना किसी बाधा के तुरंत ट्रांसफर करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी और जल्द से जल्द जमीन डीएमआरसी को सौंपेगी। इस कार्रवाई में सरकारी जमीन का पट्टा, हस्तांतरण या निजी जमीन की खरीद या अधिग्रहण शामिल होगा, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं होगा। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि भूमि अधिग्रहण या हस्तांतरण के कारण प्रोजेक्ट के काम में कोई देरी न हो।

■ दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक हाई पावर कमिटी का भी गठन किया जाएगा। इसमें विभागों के सचिव, नगर निकायों के प्रमुख और अन्य सदस्य होंगे। समिति का उद्देश्य दिल्ली से जुड़े मुद्दों, विशेषकर जमीन अधिग्रहण, यूटिलिटी की शिफ्टिंग, प्रोजेक्ट के स्ट्रक्चर में बदलाव, प्रभावित व्यक्तियों का पुनर्वास, मल्टीमॉडल इंटिग्रेशन आदि से जुड़े मुद्दों का समाधान और उनकी स्थिति को सुनिश्चित करना होगा।

■ यह एमओयू भारत सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) के बीच होगा। यह समझौता तब तक प्रभावी और वैध रहेगा, जब तक प्रोजेक्ट के लिए डीएमआरसी द्वारा लिए गए ऋण का पूरा भुगतान नहीं कर दिया जाता। इस एमओयू को दिल्ली सरकार और भारत सरकार की आपसी सहमति से और आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

बाकी तीन कॉरिडोर्स का क्या होगा?

फेज-4 में तीन कॉरिडोर का काम कोविड के कारण देरी से चल रहा है। बाकी के तीन कॉरिडोर के निर्माण को लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है। पिछले साल डीएमआरसी ने रिठाला-बवाना-नरेला कॉरिडोर को हरियाणा के कुंडली तक एक्सटेंड करने के लिए एक नई डीपीआर बनाने का काम शुरू किया था। तय किया गया है कि इस कॉरिडोर पर मेट्रो लाइट चलाने के बजाय नॉर्मल मेट्रो ही चलाई जाएगी। नरेला समेत बाहरी दिल्ली के कुछ इलाकों को इंडस्ट्री और एजुकेशन का हब बनाने के लिए डीडीए भी कुछ परियोजनाओं पर काम रहा है। केंद्र, डीएमआरसी और दिल्ली सरकार के बीच एमओयू साइन होने के बाद माना जा रहा है कि इन तीन कॉरिडोर्स को मंजूरी मिल सकती है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

www.delhi.nbt.in मेरी कॉलोनी : दिल्ली : मेरा शहर । नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 20 फरवरी 2024

40 साल पुरानी इमारतें आज की ज़रूरतों के हिसाब से नहीं हैं फिट

एक्सपर्ट की राय, ऐसी पुरानी बिल्डिंगें कभी भी बन सकती हैं हादसे की वजह

NBT कायापलट
घर वही, सूरत नई

बिल्डिंग के अंदर के पैसेज-वे पर भी काफी जगह कब्जा है

हादसे के समय नहीं पहुंच सकतीं फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और फायर सेफ्टी के रूल भी नहीं

रीडिवेलपमेंट जितना लेट होगा, उतना ही खतरा बढ़ेगा

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

रोहिणी सेक्टर-8 पॉकेट बी-5 ही नहीं, डीडीए के कई फ्लैट्स इस हालत में पहुंच चुके हैं कि यहां गंभीर हादसे हो रहे हैं। यहां पर बिल्डिंग के मुख्य स्ट्रक्चर से इस कदर छेड़छाड़ हो चुकी है कि अब उसे ठीक करना संभव नहीं है। एक्सपर्ट के अनुसार इन पॉकेट में अतिक्रमण रोकने के लिए भी कोई सिविक एजेंसी कदम नहीं उठाती। इसकी वजह से न सिर्फ छत पर एक्स्ट्रा फ्लोर खड़े हो गए हैं, बल्कि बिल्डिंग के अंदर के पैसेज-वे पर भी काफी जगह कब्जा है। सबसे गंभीर बात यही है। कहने के लिए यह पॉश एरिया है, लेकिन हादसे के समय यहां फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तक नहीं पहुंच सकती हैं।

मास्टर प्लान-2001 के हिसाब से बने थे

एक्सपर्ट के अनुसार 40 साल पुराने इन फ्लैट्स का डिजाइन आज की डिमांड के हिसाब से फिट नहीं बैठता है। ऐसे फ्लैट्स जगह की बर्बादी है। इसका सबसे अच्छा तरीका यही है कि डीडीए अपनी पुरानी हर स्कीम की लिस्ट बनाए और फिर इन फ्लैट्स का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराकर आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर रीडिवेलपमेंट का प्लान तैयार करे। एक्सपर्ट के अनुसार यह काम इतना आसान नहीं होगा। अभी पहल करने और इसे अमल में लाते-लाते चार से पांच साल लग सकते हैं। ये फ्लैट्स मास्टर प्लान-2001 के अनुरूप तैयार हुए थे। उस समय आबादी और जरूरतें दोनों काफी अलग थीं। अब नियम कहते हैं कि बिना पार्किंग के नए मकान नहीं बनेंगे। ऐसे में यह मकान सुविधाओं के हिसाब से पहले ही पिछड़ चुके हैं। साथ ही इनकी बनावट ऐसी नहीं है कि यह इतनी गाड़ियों का लोड ले सकें। लोग ओपन स्पेस पर गाड़ियां खड़ी करते हैं, इससे सीवर लाइन और ड्रेनेज सिस्टम बिगड़ता है और टूटने लगता है। इन मकानों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट सेग्रिगेशन और फायर सेफ्टी आदि के रूल भी नहीं हैं।

सिविक एजेंसियां भी आगे नहीं बढ़ा रहीं अपने कदम

डीडीए के पूर्व प्लानिंग कमिश्नर ए.के. जैन के अनुसार डीडीए के साथ सभी एजेंसियां अब समझ चुकी हैं कि दिल्ली पर बढ़ते दबाव को हाईराइज डिवेलपमेंट के साथ ही कम किया जा सकता है। मेट्रो के गोकुलपुरी में साइडवॉल गिरने के बाद इस तरह की बिल्डिंगों में रहने वाले लोग और भी भयभीत हैं। आरडब्ल्यूए और लोग इस काम को करना चाहते हैं, बिल्डर भी करना चाहते हैं, लेकिन सिविक एजेंसियों की कमियों के चलते काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। यह काम जितना लेट किया जाएगा, दिल्ली पर उतना ही खतरा बढ़ता रहेगा। मास्टर प्लान-2041 को जल्द नोटिफाई करना चाहिए और इसमें रीडिवेलपमेंट के काम को आगे बढ़ाना चाहिए। लैंड पूलिंग पॉलिसी की तरह रीडिवेलपमेंट को टाला नहीं जाना चाहिए। इसकी कोशिशें 20 सालों से हो रही है, लेकिन इतने सालों में दिल्ली में एमसीडी या डीडीए एक भी बिल्डिंग का रीडिवेलपमेंट नहीं करवा पाई।

आर्किटेक्ट और रिसर्चर सुमंत शर्मा के अनुसार रोहिणी सेक्टर-8

के विवेकानंद अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को रीडिवेलपमेंट चाहिए। मेट्रो लाइन के निर्माण के बाद वह इस संभावना से भी डरे हुए हैं कि कहीं बिल्डिंग में कंपन शुरू न हो जाए। सबसे पहले तो यह जानना जरूरी है कि इस बिल्डिंग का स्ट्रक्चर कैसा है? देखने में लग रहा है मुख्य स्ट्रक्चर पर अवैध निर्माण की वजह से दबाव बढ़ गया है। ऐसे में इस तरह की इमारतों के लिए रीडिवेलपमेंट ही समस्या का हल है। साथ ही ऐसे नियम भी बनें कि लोग दोबारा ऐसा न कर सकें। जरूरत के समय इन फ्लैट्स में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड भी नहीं पहुंच सकती है। इसलिए इस तरह की बिल्डिंगों को रीडिवेलपमेंट के लिए चुना जाना चाहिए।

सवालों के जवाब भी

अगर रीडिवेलपमेंट को लेकर कोई सवाल है तो उनका जवाब भी हम एक्सपर्ट्स की मदद से देंगे। रीडिवेलपमेंट पर अपनी राय, सुझाव और सवाल आप ईमेल भी कर सकते हैं। अपना नाम, मोबाइल नंबर और अपने बारे में जरूरी जानकारी nbtreader@timesgroup.com पर भेज दें। सब्जेक्ट में Redevelopment जरूर लिखें।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE INDIAN EXPRESS, TUESDAY, FEBRUARY 20, 2024

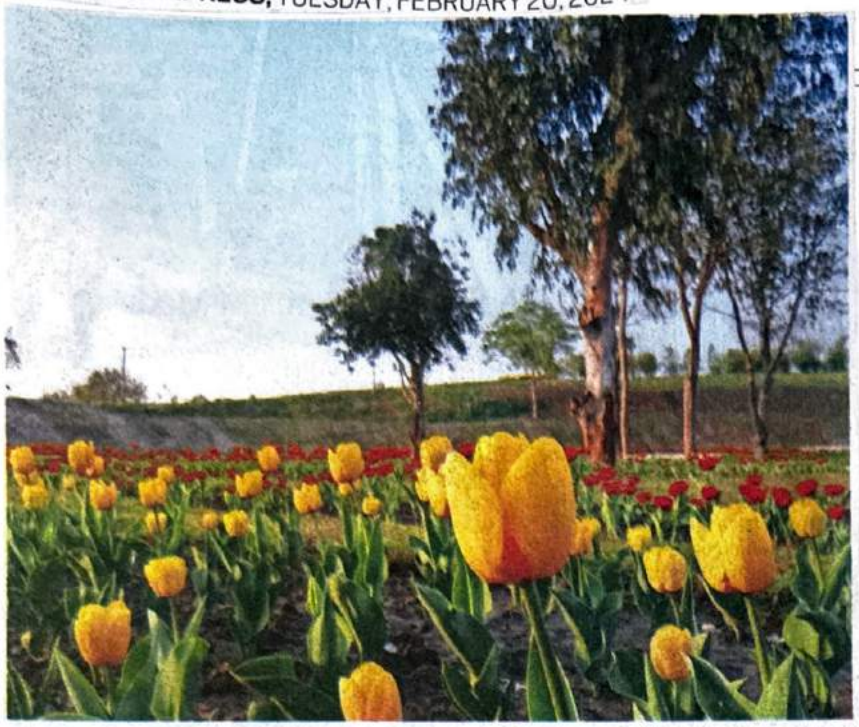

CAPITAL BLOOM

Tulips at Baansera along the Yamuna. For the first time this year, the flowers have been planted in areas other than Lutyens' Delhi. Following the directions of Lieutenant Governor V K Saxena, areas such as Rohini, Dwarka, ISBT Kashmere Gate, Shalimar Bagh, Karampura-Rohtak Road, Mehrauli, Greater Kailash I and Vasant Vihar among others are seeing tulips in full bloom. *Express*

Hindustan Times

Tulips on Yamuna bank

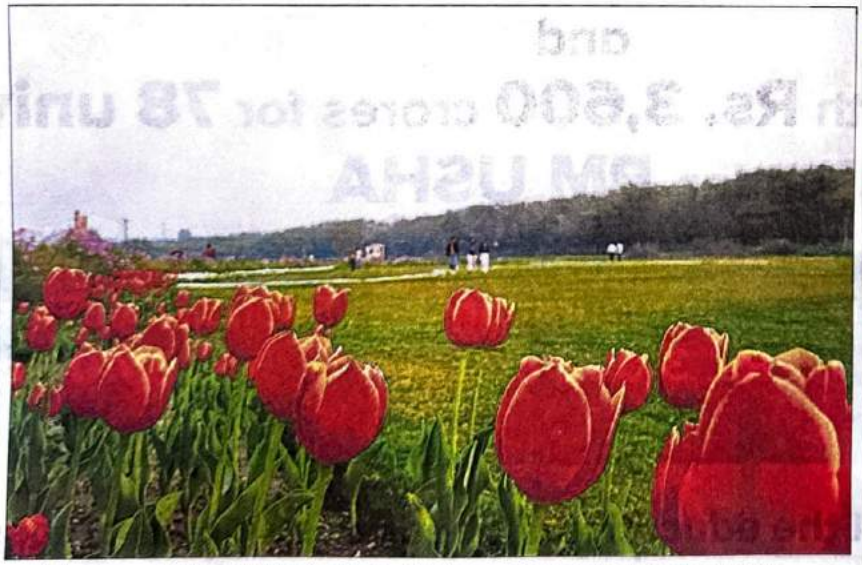

Tulip blooms dot Asita DDA Park in the Capital. This spring, the tulip plantation has been extended to areas beyond the Lutyens' Delhi for the first time, with 100,000 bulbs adorning various parts of the city, the LG secretariat said in a statement on Monday. LG SECRETARIAT

हिन्दुस्तान

लुटियन दिल्ली के बाहर बिखरी ट्यूलिप की शोभा

नई दिल्ली। ट्यूलिप के फूलों की शोभा पहली बार लुटियन दिल्ली के बाहर भी बिखरी है। डीडीए के अलग-अलग पार्कों में लगभग एक लाख ट्यूलिप की पौध लगाई गई थी। इसमें से अब फूल आने लगे हैं। नई दिल्ली क्षेत्र में पिछले लगभग छह वर्षों से ट्यूलिप के फूलों को लगाया जाता रहा है। एनडीएमसी की ओर से इसे लेकर ट्यूलिप महोत्सव का भी आयोजन होता रहा है। इस सीजन में उप राज्यपाल वीके सक्सेना की पहल पर लुटियन दिल्ली से बाहर भी पौध लगाई गई है।

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 20 फरवरी 202

चप्पा-चप्पा ट्यूलिप खिला... यमुना से द्वारका तक गुलज़ार

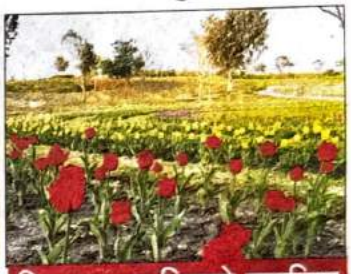

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के प्रयासों से इस साल पहली बार एनडीएमसी एरिया के बाहर भी कई जगहों पर ट्यूलिप के सुंदर फूल विभिन्न इलाकों की शोभा बढ़ा रहे हैं। वसंत के मौसम में इस बार न केवल लुटियंस दिल्ली के विभिन्न इलाकों में, बल्कि रोहिणी, द्वारका, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, शालीमार बाग, महरौली, ग्रेटर कैलाश, वसंत विहार जैसे इलाकों के पार्कों और ग्रीन एरियाज में भी ट्यूलिप के रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।

एलजी ऑफिस के अधिकारियों के मुताबिक, एनडीएमसी ने लुटियंस जोन में 4 लाख से अधिक ट्यूलिप लगाए हैं। वहीं एनडीएमसी एरिया के बाहर डीडीए ने अपने विभिन्न पार्कों में 1 लाख ट्यूलिप लगाए हैं। डीडीए के पार्कों के अलावा यमुना के किनारे विकसित किए गए बांसेरा और असिता जैसे पार्क, संजय झील और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के पास री-डिवेलप किए गए वासुदेव घाट के किनारे भी ट्यूलिप खिल रहे हैं। शांति पथ पर ट्यूलिप फेस्टिवल चल रहा है, तो राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन में भी ट्यूलिप के फूल विजिटर्स के आकर्षण का मुख्य केंद्र बने हुए हैं। एलजी की पहल पर पहली बार संसद भवन, राज निवास और सीएम आवास पर भी ट्यूलिप लगाए गए हैं। एलजी ने विदेश से ट्यूलिप मंगाने के बजाय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के स्थानीय उत्पादकों से खरीदने पर भी जोर दिया है। इसका उद्देश्य स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित करने के अलावा ट्यूलिप की लागत में कटौती करना भी है। इसके लिए एनडीएमसी ने लोधी गार्डन में दिल्ली का पहला ट्यूलिप प्रॉपेगेशन चैंबर भी स्थापित किया है।

किस जगह कितने ट्यूलिप

लोकेशन	ट्यूलिप बल्ब
असिता ईस्ट	9,000
बांसेरा	40,000
संजय झील	5,000
महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क	9,000
वसंत उद्यान	6,000
डीडीए पार्क, जीके-1	6,000
वासुदेव घाट	5,000
शिवाजी पार्क	4,000
स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी	9,000
शालीमार बार्ग डिस्ट्रिक्ट पार्क	4,000
द्वारका सेक्टर-17 पार्क	3,000

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER

IV दैनिक जागरण नई दिल्ली, 20 फरवरी, 2024

डीडीए ने विभिन्न पार्कों में लगाए एक लाख ट्यूलिप

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने पहली बार राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न पार्कों में एक लाख ट्यूलिप लगाए हैं। यह फूल रोहिणी, द्वारका, आइएसबीटी कश्मीरी गेट, कर्मपुरा- रोहतक रोड, शालीमार बाग, महरौली, जीके और वसंत विहार जैसे क्षेत्रों में लगाए गए हैं।

पहले ट्यूलिप के फूल एनडीएमसी क्षेत्र में ही लगाए जाते थे। अबकी बार भी लुटियंस जोन में विभिन्न रंगों के चार लाख से ज्यादा ट्यूलिप लगाए गए हैं। एनडीएमसी से इतर पहली बार दिल्ली के अन्य हिस्सों में भी ट्यूलिप लगाए गए हैं। दरअसल, एलजी वीके सक्सेना, जिन्होंने राष्ट्रीय राजधानी को 'फूलों का शहर' बनाने का वादा किया था। इसीलिए एनडीएमसी क्षेत्र से परे सुंदरीकरण पर लगातार जोर दे रहे हैं। गत वर्ष 26 दिसंबर को नगर निकायों के बागवानी विभागों की एक बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि एमसीडी, डीडीए आदि के अधिकार क्षेत्र के तहत अन्य क्षेत्रों में भी ट्यूलिप और अन्य सजावटी फूल लगाए जाएं।

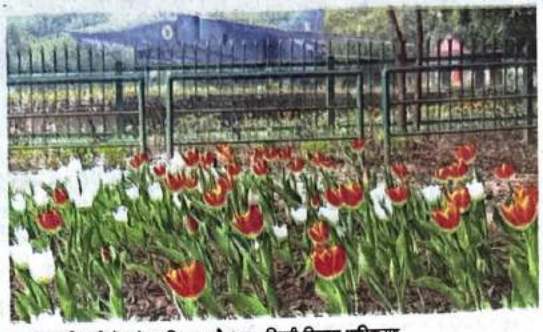

स्वर्ण जयंती पार्क में लगे ट्यूलिप • सौजन्य : दिल्ली विकास प्राधिकरण

इसके लिए डीडीए ने बांसेरा पार्क में 40 हजार, असिता ईस्ट, महरौली पुरातत्व पार्क और रोहिणी सेक्टर -10 स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में नौ नौ हजार ट्यूलिप लगाए हैं। शहर को ट्यूलिप से सजाने के अलावा, एलजी ने फूलों के बल्ब को विदेशों से खरीदने के बजाय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के स्थानीय उत्पादकों से खरीदने पर भी जोर दिया है। इस कदम का उद्देश्य ट्यूलिप की लागत में कटौती करना है और स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित करने का काम करना।

डीडीए के किस पार्क में लगाए गए कितने पौधे

पार्क	ट्यूलिप
असिता ईस्ट	नौ हजार
बांसेरा	40 हजार
संजय झील	पांच हजार
महरौली पार्क	नौ हजार
वसंत उद्यान	छह हजार
ग्रेटर कैलाश पार्क	छह हजार
वासुदेव घाट	पांच हजार
शिवाजी पार्क	चार हजार
स्वर्ण जयंती पार्क	नौ हजार
शीश महल पार्क	चार हजार
सेक्टर 17 द्वारका	तीन हजार

इसी माह शुरू होगी दिल्ली में पहली पक्षी जनगणना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: वन और वन्यजीव विभाग दिल्ली के लिए एक "पक्षी एटलस" बनाने की योजना बना रहा है। इसमें पक्षियों की प्रजाति और उनकी संख्या का विवरण होगा। अधिकारियों ने बताया कि विभाग इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पक्षी जनगणना की एक श्रृंखला आयोजित करके साल के आखिर तक एटलस बनाने की योजना भी बना रहा है। इस तरह की पहली जनगणना शुरू करने की तारीख को अभी भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि हर तीन महीने में एक बार जनगणना करने की योजना है, जिससे सरकार को विभिन्न मौसमों में यहां के स्थानीय निवासी और प्रवासी दोनों पक्षियों का पर्याप्त डाटा उपलब्ध होगा। यह पहली बार होगा, जब विभाग शहर में पक्षी जनगणना करेगा, जो अंततः दिल्ली का पहला पक्षी एटलस बनाने के लिए डाटा प्रदान करेगा। दिल्ली के मुख्य वन्यजीव वार्डन सुनीश बक्सी ने कहा कि डेटा इकट्ठा करने और शहर भर में जनगणना करने के लिए विभाग दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के जैव विविधता पार्क कार्यक्रम और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों से भी सहायता मांगेगा। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा राजधानी के विभिन्न आर्द्रभूमियों और पक्षी-समृद्ध क्षेत्रों

फरवरी के अंत में शुरू होने वाली जनगणना की एक श्रृंखला आयोजित करके साल के आखिर तक पक्षी एटलस बनाने की योजना

को कवर करने के लिए उन लोगों से भी संपर्क किया गया है, जो पक्षी पालते हैं।

उन्होंने कहा कि हमने केरल और गोवा जैसे राज्यों को देखा, जिनके पास अपने स्वयं के पक्षी एटलस हैं। हमने पक्षी-पालकों से भी बात की, जिन्होंने यही सुझाव दिया। दिल्ली को अपना एटलस बनाने की जरूरत है। अब तक विभाग ने फरवरी की जनगणना के लिए 10 से अधिक स्थानों को चयनित किया है, स्वयंसेवकों की संख्या के आधार पर और भी स्थानों को जोड़ा जाना है। इनमें असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य, नजफगढ़ झील, पल्ला से ओखला तक यमुना के बाढ़ क्षेत्र का पूरा हिस्सा, दिल्ली चिड़ियाघर, भलस्वा झील और संजय झील शामिल हैं। बाढ़ के मैदानों को कवर करके बांसेरा, असिता, कालिंदी अविरल, गढ़ी मांडू और यमुना जैव विविधता पार्क जैसे स्थानों को भी कवर किया जाएगा।

पहली जनगणना में विभाग की सहायता करने वाले डीडीए के जैव विविधता पार्क कार्यक्रम के प्रभारी विज्ञानी फैयाज खुदसर ने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण
नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 20 फरवरी 2024
हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, मंगलवार, 20 फरवरी 2024

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

Where Development Values Nature

दिल्ली विकास प्राधिकरण

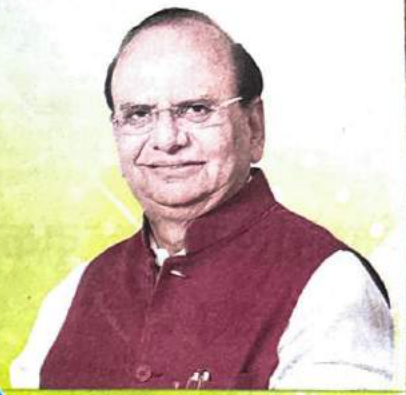

द्वारका में आईलैंड फाउंटेन
(सैक्टर 1/7 एवं सैक्टर 2/6)

तथा

स्टॉर्म वॉटर चैनलों 2 एवं 5 के जीर्णोद्धार कार्य का

उद्घाटन

श्री विनय कुमार सक्सेना
माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली

द्वारा

विशिष्ट अतिथि

श्री प्रवेश साहिब सिंह
माननीय सांसद, पश्चिमी दिल्ली

श्री रमेश बिधूड़ी
माननीय सांसद, दक्षिणी दिल्ली

फाउंटेन
- 12 फीट के 4 कैस्केड टाइप हॉर्स फाउंटेन
- पुन: विकसित हरित क्षेत्र, बैरियर फ्री रैम्प

स्टॉर्म वाटर चैनल
- पैदल चलने, जॉगिंग, साइकिल चलाने आदि के लिए हरा और स्वच्छ वातावरण प्रदान करना
- चिल्ड्रन पार्क और स्टॉर्म वाटर चैनलों के किनारे सार्वजनिक शौचालय, ओपन एयर फूड कोर्ट, ओपन एयर थिएटर, योगा पवेलियन
- सीवर अवरोध और उपचार
- निवासियों की कनेक्टिविटी के लिए चैनलों के किनारे हरित पैदल पथ का विकास। नदी के सामने गतिविधियां जैसे डेक, पेर्गोला ब्रिज, चेक डैम आदि

दिनांक
मंगलवार, 20 फरवरी, 2024
पूर्वाह्न 11:30 बजे

स्थान
एग्जिट गेट नं. 1, द्वारका सैक्टर-9, मेट्रो स्टेशन के पास, द्वारका, नई दिल्ली

ddaofficial | official_dda | official_dda_ | official_dda

कृपया दि.वि.प्रा. की वेबसाइट www.dda.gov.in देखें या टोल फ्री नं. 1800-110332 डायल करें

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times | THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI TUESDAY, FEBRUARY 20, 2024 | THE INDIAN EXPRESS, TUESDAY, FEBRUARY 20, 2024

Ministry of Housing and Urban Affairs
Govt. of India

Where Development Values Nature

Delhi Development Authority

Inauguration

of

Island Fountains

(Sector 1/7 and Sector 2/6)

and

Rejuvenation of Storm Water Channels 2 and 5

at

Dwarka

By

Shri Vinai Kumar Saxena

Hon'ble Lt. Governor, Delhi

Guests of Honour

Shri Parvesh Sahib Singh
Hon'ble MP, West Delhi

Shri Ramesh Bidhuri
Hon'ble MP, South Delhi

FOUNTAIN

- 4 cascade type horse fountains of 12 feet each
- Redeveloped green areas, barrier free ramps

STORM WATER CHANNELS

- To provide green and clean environment for walking, jogging, cycling etc.
- Open air food court, open air theatre, yoga pavilion, children park, and public toilets along the channels
- Sewerage Interception and treatment
- Greenways developed along the channels for connectivity of the dwellers
  River front activities like viewing decks, pergola bridges, check dams etc.

Date

Tuesday, 20th February, 2024
Time: 11:30 AM

Place

Exit Gate No. 1, Dwarka Sector-9, Near by Metro Station, Dwarka, New Delhi

ddaofficial | official_dda | official_dda_ | official_dda

Please Visit DDA's Website: www.dda.gov.in or Dial Toll Free No. 1800-110332

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

20 फरवरी • 2024 | राष्ट्रीय सहारा

millenniumpost
TUESDAY, 20 FEBRUARY, 2024 | NEW DELHI

DATED

सोमवार को शांति पथ पर ट्यूलिप फेस्टिवल का आनंद लेते दर्शक। फोटो : एसएनबी

डीडीए के पार्कों में भी खिले ट्यूलिप के फूल : एलजी

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

■ लुटियन जोन में कई पार्कों में ट्यूलिप की छटा बिखरी

■ यमुना के किनारे बांसेरा, असिता पार्क में भी ट्यूलिप फूलों की बहार

राजधानी में इस समय ट्यूलिप फूलों की बहार दिखने लगी है। एनडीएमसी की सड़कों एवं गोलचक्करों के साथ ही अब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पार्कों में ट्यूलिप फूल अपनी खूबसूरत छटा बिखेर रहे हैं। डीडीए ने अपने प्रमुख पार्कों में करीब एक लाख ट्यूलिप लगाए हैं जबकि लुटियन जोन में करीब 4 लाख ट्यूलिप लगाए गए हैं। उप-राज्यपाल ने इन फूलों की समीक्षा की और बैठक में अधिकारियों की सराहना भी की।

राजनिवास ने जारी बयान में कहा है कि उप-राज्यपाल का दिल्ली को फूलों का शहर बनाने का सपना साकार होता नजर आ रहा है। डीडीए के रोहिणी, द्वारका, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, करमपुरा-रोहतक रोड, शीलामार बाग, महरौली, ग्रेटर कैलाश और वसंत विहार क्षेत्र के पार्कों में ट्यूलिप के फूल खिले हुए हैं और उप-राज्यपाल लगातार इसकी समीक्षा कर रहे हैं। उप-राज्यपाल के निर्देश पर ही इस बार 5 लाख से अधिक ट्यूलिप लगाए गए हैं। अधिकारी ने दावा किया है कि डीडीए के पार्कों के अलावा यमुना नदी के किनारे बांसेरा, असिता, संजय झील, वासुदेव घाट पर भी ट्यूलिप फूल देख सकते हो। इसके साथ ही शांतिपथ, कनाट प्लेस एवं राष्ट्रपति भवन भी ट्यूलिप फूलों की बहार दिख रही है। उप-राज्यपाल ने पहली बार संसद भवन,राजनिवास, मुख्यमंत्री आवास पर भी ट्यूलिप लगाने को कहा था।

Have planted 1 lakh tulips in parks across Capital: DDA

NEW DELHI: The Delhi Development Authority has planted one lakh tulips for the first time in its parks across the national Capital, an official statement said on Monday. The flowers have been planted in areas like Rohini, Dwarka, ISBT Kashmere Gate, Karampura-Rohtak Road, Shalimar Bagh, Mehrauli, GK-I and Vasant Vihar, it said.

"In a first, Delhi outside NDMC is adorned with tulips this spring. The DDA has planted one lakh tulips in its different parks across the city, that are in addition to over four lakh tulips of different hues planted by NDMC in Lutyen's Delhi," the statement said.

Delhi Lieutenant Governor VK Saxena, who had promised to make the national capital a 'city of flowers', has been consistently stressing on beautification, restoration and aesthetic upgradation beyond the NDMC area, the statement said. In a meeting of horticulture departments of various civic bodies on December 26 last year, he directed that tulips and other ornamental flowers be planted in other areas under the jurisdiction of MCD, DDA etc., it stated.

At Baansera, which recently hosted the kite festival, DDA has planted 40,000 tulips apart from 9,000 tulips each at Asita, Mehrauli Archaeological Park and Swarn Jayanti Park in Rohini Sector-10, the statement said.

Apart from adorning the city with tulips, the L-G has also stressed upon procuring the flower bulbs from local growers in Jammu & Kashmir and Ladakh, instead of procuring it from abroad, it said.

The move aims at cutting down the cost of tulips and would serve to encourage local farmers. The NDMC has set up its first Tulip Propagation Chamber at Lodhi Garden, where the harvested tulip bulbs are preserved and grown for further plantation in the next season, under controlled weather conditions, the statement added. MPOST

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

अमर उजाला

दिल्ली के बाहरी क्षेत्रों का सौंदर्य बढ़ा रहे ट्यूलिप

नई दिल्ली। लुटियन जोन के बाहर दिल्ली को सजाने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने एक लाख ट्यूलिप बल्ब लगाए हैं। यह ट्यूलिप रोहिणी, द्वारका, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, करमपुरा-रोहतक रोड, शालीमार बाग, महरौली, जीके-आई और वसंत विहार क्षेत्र के पार्कों में खिलने लग गए हैं। यह पहली बार है कि राष्ट्रीय राजधानी के इन क्षेत्रों के पार्कों में ट्यूलिप लगाए गए हैं। इनके अलावा एनडीएमसी क्षेत्र में चार लाख अतिरिक्त ट्यूलिप लगाए गए हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने पिछले साल 26 दिसंबर को विभिन्न नगर निकायों के बागवानी विभागों के साथ बैठक कर एमसीडी, डीडीए और अन्य को ट्यूलिप और अन्य सजावटी फूल लगाने का निर्देश दिया था।

एलजी के निर्देश पर इस साल रिकॉर्ड पांच लाख ट्यूलिप बल्ब खरीदे गए, जो पिछले साल महज 1.5 लाख थे। इनमें से 01 लाख ट्यूलिप बल्ब डीडीए ने विभिन्न पार्कों में लगाने के लिए लिए थे। पार्कों के अलावा कोई भी यमुना तट पर बांसेरा और असिता, पूर्वी दिल्ली में संजय झील और आईएसबीटी, कश्मीरी गेट पर वासुदेव घाट पर ट्यूलिप की कतारें और पगडंडियां देख सकता है।

केवल विदेशी ही नहीं देशी ट्यूलिप भी खरीदे जा रहें : हाल ही में पतंग महोत्सव की मेजबानी करने वाले बांसेरा में, डीडीए ने असिता, महरौली पुरातत्व पार्क और रोहिणी सेक्टर-10 में स्वर्ण जयंती पार्क में नौ हजार ट्यूलिप के अलावा 40 हजार ट्यूलिप लगाए हैं। शहर को ट्यूलिप जैसे विदेशी फूलों से सजाने के अलावा, एलजी ने फूलों के बल्बों को विदेशों से खरीदने के बजाय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के स्थानीय उत्पादकों से खरीदने पर भी जोर दिया है। इस कदम का उद्देश्य स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित करने के अलावा लागत में कटौती करना भी है। ब्यूरो

the pioneer
TUESDAY | FEBRUARY 20, 2024

DDA plants one lakh tulips

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

In an effort to exhibit the beauty of tulips in full bloom, the Delhi Development Authority (DDA) has planted more than one lakh tulips in different parks all over the capital. Incidentally, this is the first time, Delhi outside New Delhi Municipal Council(NDMC)- the exclusive Lutyen's Zone, is adorned with tulips this spring. NDMC planted four lakh tulips in Lutyen's Delhi.

Officials said here on Monday, the DDA has planted these beautiful tulips in areas like Rohini, Dwarka, ISBT Kashmere Gate, Karampura-Rohtak Road, Shalimar Bagh, Mehrauli,GK-I and Vasant Vihar. It is for the first time that Tulips have been planted in parks in these areas of the National Capital.

पंजाब केसरी
DELHI

दिल्ली के आम इलाकों की भी शोभा बढ़ा रहे ट्यूलिप

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): एलजी वीके सक्सेना की पहल पर राजधानी में लगाए गये ट्यूलिप अब विशिष्ट इलाकों के साथ-साथ आम इलाकों की भी शोभा बढ़ा रहे हैं। दिल्ली में पहली बार एनडीएमसी का लुटियन जोन इस वसंत में ट्यूलिप से सजा हुआ है। डीडीए ने राजधानी के अपने विभिन्न पार्कों में एक लाख ट्यूलिप लगाए हैं, जो दिल्ली के लुटियन जोन में एनडीएमसी द्वारा लगाए गए विभिन्न रंगों के चार लाख से अधिक ट्यूलिप के अतिरिक्त हैं। इसके कारण रोहिणी, द्वारका, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, करमपुरा-रोहतक रोड, शालीमार बाग, महरौली, ग्रेटर कैलाश-आई और वसंत विहार जैसे क्षेत्रों में स्थित डीडीए पार्कों में ट्यूलिप खिले हुए हैं। यह पहली बार है कि राजधानी के इन क्षेत्रों के पार्कों में ट्यूलिप लगाए गए हैं। एलजी दफ्तर के अधिकारियों ने बताया कि एलजी के निर्देश पर इस वर्ष, पिछले वर्ष 1.5 लाख के मुकाबले रिकॉर्ड 5 लाख ट्यूलिप बल्ब खरीदे गए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
the pioneer
| TUESDAY | FEBRUARY 20, 2024

Ministry of Housing and Urban Affairs
Govt. of India

Where Development Values Nature

Delhi Development Authority

Inauguration

of

Island Fountains

(Sector 1/7 and Sector 2/6)

and

Rejuvenation of Storm Water Channels 2 and 5

at

Dwarka

By

Shri Vinai Kumar Saxena

Hon'ble Lt. Governor, Delhi

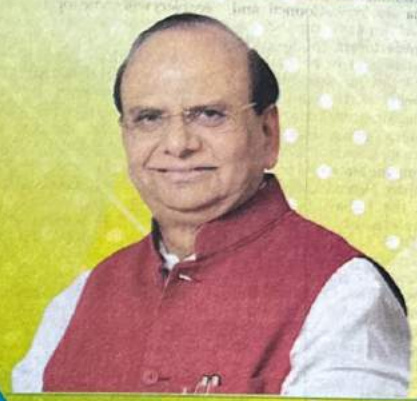

Guests of Honour

Shri Parvesh Sahib Singh
Hon'ble MP, West Delhi

Shri Ramesh Bidhuri
Hon'ble MP, South Delhi

FOUNTAIN

- 4 cascade type horse fountains of 12 feet each
- Redeveloped green areas, barrier free ramps

STORM WATER CHANNELS

- To provide green and clean environment for walking, jogging, cycling etc.
- Open air food court, open air theatre, yoga pavilion, children park, and public toilets along the channels
- Sewerage Interception and treatment
- Greenways developed along the channels for connectivity of the dwellers
  River front activities like viewing decks, pergola bridges, check dams etc.

Date

Tuesday, 20th February, 2024
Time: 11:30 AM

Place

Exit Gate No. 1, Dwarka Sector-9, Near by Metro Station, Dwarka, New Delhi

ddaofficial | official_dda | official_dda_ | official_dda

Please Visit DDA's Website: www.dda.gov.in or Dial Toll Free No. 1800-110332

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com
मंगलवार, 20 फरवरी 2024

पंजाब केसरी
DELHI

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

Where Development Values Nature

दिल्ली विकास प्राधिकरण

द्वारका में आईलैंड फाउंटेन
(सैक्टर 1/7 एवं सैक्टर 2/6)

तथा

स्टॉर्म वॉटर चैनलों 2 एवं 5 के जीर्णोद्धार कार्य का

उद्घाटन

श्री विनय कुमार सक्सेना
माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली

द्वारा

विशिष्ट अतिथि

श्री प्रवेश साहिब सिंह
माननीय सांसद, पश्चिमी दिल्ली

श्री रमेश बिधूड़ी
माननीय सांसद, दक्षिणी दिल्ली

फाउंटेन

- 12 फीट के 4 कैस्केड टाइप हॉर्स फाउंटेन
- पुन: विकसित हरित क्षेत्र, बैरियर फ्री रैम्प

स्टॉर्म वाटर चैनल

- पैदल चलने, जॉगिंग, साइकिल चलाने आदि के लिए हरा और स्वच्छ वातावरण प्रदान करना
- चिल्ड्रन पार्क और स्टॉर्म वाटर चैनलों के किनारे सार्वजनिक शौचालय, ओपन एयर फूड कोर्ट, ओपन एयर थिएटर, योगा पवेलियन
- सीवर अवरोध और उपचार
- निवासियों की कनेक्टिविटी के लिए चैनलों के किनारे हरित पैदल पथ का विकास। नदी के सामने गतिविधियां जैसे डेक, पेगोला ब्रिज, चेक डैम आदि

दिनांक
मंगलवार, 20 फरवरी, 2024
पूर्वाह्न 11:30 बजे

स्थान
एग्जिट गेट नं. 1, द्वारका सैक्टर-9, मेट्रो स्टेशन के पास, द्वारका, नई दिल्ली

ddaofficial | official_dda | official_dda_ | official_dda

कृपया दि.वि.प्रा. की वेबसाइट www.dda.gov.in देखें या टोल फ्री नं. 1800-110332 डायल करें